



माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

2018

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
फसल उत्पादन	4 2 0	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल	परीक्षार्थी का रोल नम्बर
A -	1906861
परीक्षार्थी का रोल नम्बर	2 8 4 5 3 3 1 7 0
शब्दों में	मध्यप्रदेश
उदाहरणार्थ	1 1 2 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

क :- पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में शब्दों में

ख :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक

ग :- परीक्षा का दिनांक

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्ड्री परीक्षा परीक्षा केन्द्र क्र. 452068

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
S. Choubey	Sharma

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई हो। क्राफ्ट स्टीकर अतिप्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

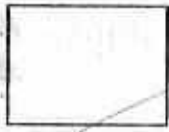
उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

S. Choubey 74813	SAROJ KORCHE
---------------------	--------------

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के समुख प्राप्तियों की प्रविष्टि करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्ति (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

2



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 2 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 1

i) उत्तर

बैंगन की ।

ii) उत्तर

श्वेत बटन मार

iii) उत्तर

बीज ।

iv) उत्तर

जेट्टीपा करकस जेट्टीगा करकस ।

B
E

16

प्रश्न क्रमांक - 2

i) उत्तर →

1 फुट ।

ii) उत्तर →

चिनोपोडियम अल्बम ।

iii) उत्तर →

जापान ।

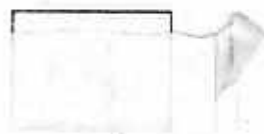
3



योग-पूर्व पृष्ठ



पृष्ठ 3 के अंक



कुल अंक



iv उत्तर दक्षिणी भारत ।

मैसूर ।

प्रश्न क्रमांक - 3

i उत्तर - मिल्की लवा ।

ii उत्तर - अनचाहे मशरूम ।

iii उत्तर - सोलेनेसी ।

उत्तर - यूफोर्बिसेसी ।

उत्तर - भू-सर्वेक्षण ।

प्रश्न क्रमांक - 4

i उत्तर - सत्य ।

ii उत्तर - असत्य ।

iii उत्तर - असत्य ।

4



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 4 के अंक

-



कुल अंक



SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

iv) उत्तर - असत्य ।

v) उत्तर - सत्य ।

प्रश्न क्रमांक - 5 (अथवा)

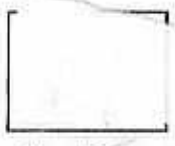
उत्तर स्वयं खरपतवारों की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं →

- B ① खरपतवार फसलों की अपेक्षा अधिक संख्या में बीज उत्पन्न करते हैं ।
- S ② खरपतवारों के बीज वजन में इतने हल्के होते हैं कि इनका वितरण आसानी से किया जा सकता है ।
- E स्वखरपतवारों में वायुमयन की वृद्धि फसलों की अपेक्षा तीव्र गति से होती है । खरपतवार प्रतिकूल परिस्थितियों में भी फलने-फूलने की क्षमता रखते हैं ।

प्रश्न क्रमांक - 6

उत्तर गन्ने के दो हानिकारक कीट निम्नलिखित हैं
 1) पाइरिल्ला ② तना भैवक

SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION



योग पूर्व पृष्ठ



पृष्ठ 5 के अंक



कुल अंक



प्रश्न क्रमांक - 7

उत्तर फल एवं सब्जी परिरक्षण के लाभ निम्नलिखित हैं ->

- 1) बिना मौसम के भी फल व सब्जी मिलती है।
- 2) शीतगार के रूप में भी इस व्यवसाय को लगाया जा सकता है।
- 3) सीमा पर लड़ाई के दौरान जब ताजा खाना उपलब्ध करना मुश्किल होता है। इस समय परिरक्षित फल एवं सब्जियाँ उपयोग में लाई जाती हैं।

प्रश्न क्रमांक - 8 (अथवा)

उत्तर सहकारिता के दो लाभ निम्नलिखित हैं

- 1) सहकारिता समाजात्मिक समाजिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने में सहायक है।
 - 2) सहकारिता अपने निर्धन व निर्बल सदस्यों को सामाजिक न्याय प्रदान करती है।
- सहकारिता में सबके हित के लिए मिलजुल कर कार्य किया जाता है।



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 9

उत्तर नाइट्रोजन की कमी के लक्षण →

- ① पौधों के निम्नलिखित भागों में बाधा आने से पत्तियाँ पीली पड़ जाती हैं।
 - ② पौधों की वृद्धि रुक जाती है। वे अपेक्षाकृत छोटे रह जाते हैं।
 - ③ गेहूँ व अन्य कल्ले निकलने वाली फसलों में कल्ले कम निकलते हैं।
- पा. व दाने वाली फसलों में पहले नीचे की पत्तियाँ सूख जाती हैं। तत्पश्चात् ऊपरी की पत्तियाँ सूखने लगती हैं।

प्रश्न क्रमांक - 10 (अथवा)

आर भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिए दलहनी व अदलहनी फसलों को उगाकर हरी हरी अवस्था में भूमि जोतकर सड़ाने से जो खाद तैयार होती है उसे हरी हरी खाद कहते हैं।

हरी खाद के लाभ →

- ① कम खर्च में पर्याप्त खाद तैयार हो जाती है।
- ② भू-द्वारा कम हो जाता है।



क. मृदा में जीवांश पदार्थ की वृद्धि होती है। जिससे उसकी जल धारण व वायु संचार क्षमता में बढ़ जाती है।

प्रश्न क्रमांक - 11 (अथवा)

प्रश्न 11. भारत में शोभाकारी उद्यान के नाम व उनके स्थान निम्नलिखित हैं।

उद्यान	स्थान
1. लाल बाग	बंगलुरु
2. गाँधी गार्डन	विलासपुर
3. मुंगल गार्डन	नई दिल्ली
4. वृन्दावन गार्डन	मैसूर

प्रश्न क्रमांक - 12

प्रश्न 12. आदर्श हरियाली की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं।

1. हरियाली में एक प्रकार की शास होनी चाहिए।
2. हरियाली देखने में सुन्दर, कीमल व वर्षा में सहनशील, रंग की बनाये रखने में सक्षम हो।
3. हरियाली में किसी प्रकार की दुर्गन्धि नहीं होनी चाहिए।
4. हरियाली में सर्दी व गर्मी दोनों मौसमों की सहन करने की क्षमता होनी चाहिए।



प्रश्न क्र.

- 3 हरियाली वाली घास पैर में चुभने वाली नहीं होनी चाहिए।
- 4 हरियाली पास से ही नहीं लकड़ी दूरी से भी देखने में सुंदर हो सुंदर होनी चाहिए।

प्रश्न क्रमांक - 13

अंतर लिखित हैं → सिंचाई और जल निकास में अंतर निम्न

**B
S
E**

सिंचाई

जल निकास

- | | | |
|---|---|--|
| 1 | सिंचाई से भूमि का जल स्तर ऊपर उठता है। | जल निकास से भूमि का जल स्तर नीचे गिरता है। |
| 2 | सिंचाई में खेत में पानी दिया जाता है। | जल निकास में खेत से फालतू पानी बहर बाहर निकाला जाता है। |
| 3 | प्रायः सिंचाई का पानी पान योग्य होता है। | प्रायः जल निकास का पानी प्रयोग करने योग्य नहीं होता है। |
| 4 | सिंचाई नालियों की आवश्यकता वर्ष भर होती है। | जल निकास नालियों की आवश्यकता केवल वर्षा ऋतु में होती है। |



3) सिंचाई में नालियाँ भूमि की जल निकास में मि सतह से ऊपर बनाई जाती हैं।	नालियाँ भूमि से नीचे बनाई जाती हैं।
--	--

प्रश्न श्रृंखला - 14

उत्तर चार नाइट्रोजन युक्त उर्वरक व उनकी प्रतिशत मात्रा

उर्वरक प्रतिशत मात्रा

- 1) यूरिया → 46% नाइट्रोजन
- 2) अमोनियम सल्फेट → 20.6% नाइट्रोजन
- 3) कैल्शियम अमोनियम नाइट्रेट → 20.5% नाइट्रोजन
(काले उर्वरक में 20 25% नाइट्रोजन व सफेद उर्वरक में)
- यूरिया फार्मिलिडहाइट कम्पाउंड → 31% नाइट्रोजन



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 15

उत्तर गन्ने की पेडी की फसल से लाभ →

① पेडी की फसल के लिए खेत की तैयारी, बीज, बीज की बुवाई आदि क्रियाएँ नहीं करनी पड़ती हैं।

② पेडी की फसल में कम सिंचाई की आवश्यकता होती है।

B
S ③ प्रति हेक्टेयर उत्पादन व्यय कम होता है

E प पेडी की फसल अपेक्षाकृत शीघ्र तैयार हो जाती है।

ज पेडी की फसल की बुवाई शीघ्र हो जाती है। जिससे खेत शीघ्र खाली हो जाता है।

प्रश्न क्रमांक - 16

उत्तर लैंगिक प्रसारण के गुण निम्नलिखित हैं →

1 पौधा का जीवन काल अपेक्षाकृत अधिक होता है।



प्रश्न क्र.

2) पौधों का आकार बड़ा होता है जिससे उन पर लड़ाने वाले फलों की संख्या अधिक होती है।

3) अधिक देखभाल की आवश्यकता नहीं होती है।

दुरस्थ स्थानों पर प्रसारण में सुविधा होती है।

नई जातियों का विकास किया जा सकता है।

प्रश्न क्रमांक - 17 (अथवा)

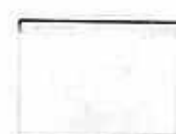
उत्तर केला की खेती का वर्णन

i) वनस्पतिक नाम → मूसा सेपीएन्टम वनाना

ii) किसमें → 1) रसशाली 2) जीठिया 3) मुठिया

iii) वनस्पतिक प्रसारण का प्रकार →

केले के पौधे वनस्पतिक प्रसारण द्वारा तैयार किये जाते हैं। इसके लिए सर्वप्रथम भूमिगत पकड़ों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर गड्ढों में लगाते हैं। जिससे छेले के नये पौधे तैयार होते हैं। इस बात का ध्यान रखा जाता है कि प्रत्येक टुकड़े में कम-से-कम 3-4 कालिकाएँ हों।



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 12 के अंक

कुल अंक

प्रश्न क्र.

केले के पौधे सकस द्वारा भी तैयार किये जाते हैं। सकस दो प्रकार के होते हैं। एक सँकरी पत्ती वाले सकस व दूसरे चौड़ी पत्ती वाले सकस। ये दोनों प्रकार के सकस लगाये जा सकते हैं। लेकिन उत्तम फसल के लिए सँकरी पत्ती वाले सकस लगाये जाते हैं।

B IV उपज / हेक्टेयर →

S हेक्टेयर उपज 225 से 500 किग्रा प्रति

E मिलती है।

प्रश्न क्रमांक - 18 (अथवा)

सोयाबीन की खेती का वर्णन

वानस्पतिक नाम → ग्लाइसिन मैक्स
कुल → लेग्युमिनोसी

i) उन्नत किस्म →

- ① दुर्गा ② अंकुर
- ③ JS-71 ④ शिलाजीत

ii) डब्लूके (ए. सी. 7) के



iii) उर्वरक (एन. पी. के. मात्रा / हेक्टेयर) →

यद्यपी उर्वरक की आवश्यकता नहीं होती है तथापी उत्तम फसल लाने के लिए 20 कि. ग्रा. नाइट्रोजन, 80 कि. ग्रा. फॉस्फोरस, 30-40 कि. ग्रा. पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से देना अच्छा होता है।

iv) बीजदर / हेक्टेयर →

सोयाबी सोयाबीन की बीजदर 65-80 कि. ग्रा. बीज प्रति हेक्टेयर होती है।

v) पज / हेक्टेयर →

उन्नतशील जातियों से 30-35 निवृत्त / प्रति हेक्टेयर

प्रश्न क्रमांक - 19

अंतर आम की खेती का वर्णन →

i) वानस्पतिक नाम → मेन्जीफेरा इण्डिका
कुल → एनाकार्डिएसी

ii) दो किस्मो → ① आमपाली ② दशहरी
③ लंगडा



प्रश्न क्र.

iii) प्रसारण के प्रकार →

आम का प्रसारण लैंगिक व अलैंगिक दोनों विधियों से किया जाता है। लैंगिक विधियों से मूलवृत्त तैयार किये जाते हैं अलैंगिक विधियों से जैसे → इनाचिंग, इनाचिंग, ग्राफिटिंग, कलिकारण आदि द्वारा अधिक उपज वाले पौधे तैयार किये जाते हैं। प्रसारण की उपर्युक्त विधियों में से इनाचिंग सर्वोत्तम है।

B

S

iv) दो कीट →

i) आम का चोंपा (2) मीली बग

उपज → आम की उपज प्रति हेक्टर है 85-120 किबटल



प्रश्न क्रमांक - 20

जैम तथा जैली में अंतर निम्नलिखित है →

जैली

जैम

- | | |
|--|---|
| ① जैली तैयार करने में फलों के रस का प्रयोग किया जाता है। | जैम बनाने में फलों के गुदे का प्रयोग किया जाता है। |
| ② इसमें पेक्टिन महत्वपूर्ण होता है। | इसमें पेक्टिन महत्वपूर्ण नहीं होता है। |
| ③ जैली बनाने समय चीनी पेक्टिन की मात्रा के अनुसार मिलाई जाता है। | इसमें चीनी खट्टास के आधार पर मिलाई जाती है। |
| यह देखने में पारदर्शी होती है। | यह रौंदार, मुलाराम अपारदर्शी होता है। |
| इसे जार में केवल गर्म अवस्था में ही भरा जा सकता है। | इसे जार में गर्म व ठण्डी किसी भी अवस्था में भरा जा सकता है। |